ISSN 0972-7515

परिप्रेक्ष्य

शैक्षिक योजना और
प्रशासन का
सामाजिक-आर्थिक संदर्भ

पत्रिका के नियमित स्तंभ

परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान आलेख/शोध सार/
संवाद/अनुसंधान रिपोर्ट सार/चिंतक और चिंतन/
समीक्षा लेख/पुस्तक समीक्षाएं करने हेतु।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF EDUCATIONAL PLANNING AND ADMINISTRATION

लेखकों के लिए

इस पत्रिका के लिए हिंदी/अंग्रेजी में लिखे अप्रकाशित मूल लेख आमंत्रित हैं। मूल हिंदी में लिखे नीतिगत और अनुभवाश्रित लेखों को प्राथमिकता दी जाएगी। लेखकों से अनुरोध है कि लेख की दो टंकित प्रतियां भेजें। पांडुलिपि फुलस्केप पेपर पर डबल स्पेस में एक ओर यूनिकोड आधारित फॉन्ट (12 pt) में टंकित होनी चाहिए। अनुसंधान लेख की शब्द सीमा 6,500 से 7,000, शोध सार 1500 शब्द, पुस्तक समीक्षा शब्द सीमा 1000-1200 तक होनी चाहिए। लेख का सारसंक्षेप 200 शब्दों में अवश्य भेजें। लेख की सॉफ्ट कापी भी भेज सकते हैं। कृपया अलग पृष्ठ पर अपना संक्षिप्त परिचय (पता, ई-मेल, सेवा व संस्थानों से जुड़ाव का उल्लेख) अवश्य दें।

पांडुलिपि में संदर्भ, टिप्पणी, संदर्भ ग्रंथ आदि का उल्लेख निम्नांकित रूप में दें:

- बिना टिप्पणी के सामान्य संदर्भ छोटे कोष्ठक में दें, जैसे- (नाय, 1972, पृ. 23-25)
- नायक, जे.पी. (1972) एजुकेशन कमीशन एण्ड आफ्टर, नई दिल्लीः एलायड
- मजूमदार, तपस (1987) ''द रोल ऑफ फायनेंस कमीशन'' जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, 1 (2 & 4), जुलाई-अक्टूबर, पृ. 1-11
- पंचमुखी, पी.आर. (1987) ''एजुकेशनल फायनेंसेज इन द फेडरल फ्रेमवर्क'' शिक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने के उद्देश्य से गतिविधियां विषय पर नीपा, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी (मिमियोग्राफ)
- रेफ, हंस (1986), ''पर्सपेक्टिव प्लानिंग इन एजुकेशनः एन इंटरनेशनल व्यू'', मुनिस रज़ा (सं.) एजुकेशनल प्लानिंगः ए लांग टर्म पर्सपेक्टिव, नई दिल्ली, कांसेप्ट-नीपा में संकलित, पृ. 65-91
- टिप्पणी और संदर्भ सूची लेख के अंत में संख्याक्रम और हिंदी वर्णमाला क्रम में दें।

संपर्क

ई-मेलः editor.pariprekshyaniepa@gmail.com